सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण आख्या
जनपद–अलीगढ मण्डल
दिनांक 29, 30 व 31 जनवरी, 2016

राज्य स्तर से दो सदस्यीय भ्रमण टीम डा0 हरी ओम दीक्षित, महाप्रबन्धक (आर.बी.एस.के. /आर.के.एस.के.) एवं दिनेश पाल सिंह, कार्यक्रम समन्वयक, एस.पी.एम.यू.– एन.एच.एम. द्वारा अलीगढ मण्डल की स्वास्थ्य इकाइयों एवं मातृ स्वास्थ्य सप्ताह के अन्तर्गत आयोजित सत्रों का सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण दिनांक 29, 30 एवं 31 जनवरी, 2016 को किया गया है। बिन्दुवार आख्या निम्नवत है–

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जैथरा (नान एफ.आर.यू.)

- जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को प्रदान किये जाने वाली रु0 1400.00 की धनराशि का वितरण अद्यतन नहीं था। माह अप्रैल 2015 से जनवरी 2016 की अवधि में 163 लाभार्थियों को धनराशि का भुगतान नहीं किया गया था। प्रसव के उपरान्त लाभार्थी के खाते में धनराशि अवमुक्त किये जाने का सुझाव दिया गया।
- सपोर्टिव सुपरविजन हेतु अनुबन्धित वाहन की जानकारी मांगे जाने पर प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि माह नवम्बर के बाद से पी.एच.सी. में वाहन उपलब्ध नहीं है।
- रोगी कल्याण समिति से सम्बन्धित मीटिंग रजिस्टर एवं अन्य अभिलेख अवलोकन हेतु मांगे जाने पर प्रस्तुत नहीं किये गये।
- आवश्यक प्रोटोकाल एवं आ0ई0ई0सी0 के तहत ए.एन.सी./पी.एन.सी. वार्डों में दीवाल लेखन नहीं कराया गया था। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन एव नाश्ते के विवरण से सम्बन्धित अभिलेख निर्धारित प्रारुप में तैयार नहीं किये जा रहे थे। निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- शिकायत पेटिका तो अस्पताल परिसर में थी किन्तु शिकायतों के पंजीकरण व निस्तारण से सम्बन्धित कोई भी अभिलेख नहीं तैयार किये जा रहे थे। निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- 102 नेशलन एम्बुलेंस सेवा के अन्तर्गत एम्बुलेंस रजिस्ट्रेशन संख्या यू.पी. 82 जी0195 में दरवाजे को रस्सी से बांध कर काम चलाया जा रहा था। गाड़ी की स्थिति सन्तोषजनक नहीं थी।
- 108 समाजवादी सेवा के अन्तर्गत माह नवम्बर 2015 उपलब्ध करायी गयी नयी एम्बुलेंस भी क्षतिग्रस्त हालत में थी। बम्फर टूटा हुआ था। गाडी में जैक नहीं था।